

फागण का महीना है

फागण का महीना है,
खाटू मन्ने जाना है,
जाकर खाटू नगरी में,
श्याम को रंग लगाना है....

खाटू में फागण का,
मेला है लगता,
मेले में भक्तों का,
रेला उमड़ता,
बाबा का दरबार सज जाता है,
फागण का महीना है,
खाटू मन्ने जाना है,
जाकर खाटू नगरी में,
श्याम को रंग लगाना है....

रंगों की बौछार,
हो वहाँ पर,
खुशियों की सौगात,
मिलती है जाकर,
साँवरे के रंग में रंग जाना है,
फागण का महीना है,
खाटू मन्ने जाना है,
जाकर खाटू नगरी में,
श्याम को रंग लगाना है....

हार के जो भी,
इसके दर आते,
हर कष्ट पल में,
उसके टल जाते,
जीवन यहाँ पर संवर जाता है,
फागण का महीना है,
खाटू मन्ने जाना है,
जाकर खाटू नगरी में,
श्याम को रंग लगाना है....

होली में बाबा को,
रंग लगाएं,
दरबार में इनके,
नाचें गाएं,
चरणों से जाके लग जाना है,
फागण का महीना है,
खाटू मन्ने जाना है,

जाकर खाटू नगरी में,
श्याम को रंग लगाना है....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26774/title/faagan-ka-mahina-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |